छाए बादल, उमस से राहत

खरगोन, निप्र । जिले में आखिरकार मानसून सक्रिय होने लगा है। लंबे इंतजार के बाद मंगलवार को जिले में मौसम का मिजाज बदला और करीब आधे घंटे तक तेज बारिश हुई। इस बारिश से जहां एक ओर लोगों को गर्मी और उमस से थोड़ी राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर किसानों के चेहरे पर भी खुशी की लहर दौड़ गई है।

मानसून की यह सक्रियता जिले में बेहतर बारिश की उम्मीद जगा रही है, जिससे सूखे की आशंका कम हो सकती है। मंगलवार को दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली और गरज-चमक के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। करीब तीस मिनट तक हुई इस बारिश से सड़कों पर पानी बह निकला। बारिश के बाद दिनभर बादल छाए रहे, वहीं हवा में नमी घुल गई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, बारिश रुकने के बाद भी वातावरण में उमस का असर बना रहा, लेकिन पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों को कुछ हद तक निजात मिली है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, यह मानसून की सक्रियता का प्रारंभिक संकेत है। आने वाले दिनों में जिले में और अधिक बारिश होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि जिले में नदी-नाले सूख चुके है, पशुओं को पीने का पानी तक नही मिल पा रहा है। ऐसे में मानसून सक्रिय होने से लोगों को इस गंभीर परेशानी से निजात मिलने की उम्मीद जागी है। आमजन के साथ किसानों को भी लंबे समय से बारिश का इंतजार था, ताकि वे अपनी खरीफ फसलों की बुवाई कर सकें। हालांकि बुआई के लिए किसानों को करीब 4 इंच बारिश का इंतजार करना होगा। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में लोग अब लगातार और अच्छी बारिश की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि भूजल स्तर में सुधार हो सके।

बिजली के पोल से लगा करंट, नंदी की मौत

बिजली विभाग की लापरवाही ने ली एक और जान!

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र । बिजली विभाग की कथित लापरवाही एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। सड़क किनारे लगे एक विद्युत पोल में करंट उतरने से एक नंदी (बैल) की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में आक्रोश व्याप्त है और लोग विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठा रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शहर के मांगरुल रोड पर गायत्री शिक्षा निकेतन के पास नंदी सामान्य रूप से सड़क किनारे घूम रहा था। इसी दौरान वह विद्युत पोल के संपर्क में आया और तेज करंट की चपेट में आ गया। कुछ ही क्षणों में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि साल भर मेंटेनेंस के नाम पर लाखों रूपये खर्च करने के बाद भी यदि हल्की बारिश होने पर पोल में करंट उतर सकता है तो इससे समझ सकते है कि विद्युत विभाग मेन्टेनेन्स के नाम पर सिर्फ खनापूर्ति कर रहा है । पोल में यदि करंट उतर आता है तो यह राहगीर, बच्चे या बुजुर्ग के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। लोगों ने आरोप लगाया कि विद्युत पोलों और लाइनों के रखरखाव में गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। समय-समय पर सुरक्षा और अर्थिंग की जांच की जाती तो ऐसी घटना टाली जा सकती थी।

विभागीय व्यवस्था पर उठे बड़े सवाल

- आखिर विद्युत पोल में करंट कैसे उतरा?
- क्या संबंधित पोल की नियमित जांच की गई थी?
- क्षेत्र में अर्थिंग और सुरक्षा मानकों की स्थिति क्या है?
- बेजुबान नंदी की मौत का जिम्मेदार कौन है ?
- क्या विभाग हादसे का इंतजार कर रहा है?
- नागरिकों का कहना है कि यह केवल एक पशु की मौत नहीं, बल्कि बिजली व्यवस्था की खामियों का गंभीर संकेत है। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं विभाग की निगरानी व्यवस्था और जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

जांच और जवाबदेही की मांग:- घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते विद्युत पोलों की सुरक्षा जांच नहीं की गई तो भविष्य में इससे भी बड़ा हादसा हो सकता है। एक बेजुबान नंदी की मौत ने बिजली विभाग की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। अब देखने वाली बात यह होगी कि विभाग इस घटना से सबक लेता है या फिर अगली दुर्घटना का इंतजार करता है।

नंदी ने बचाई सैकड़ों बच्चों की जान!:- जिस स्थान पर करंट लगने से नंदी की मौत हुई, वहां से प्रतिदिन सैकड़ों स्कूली बच्चों और राहगीरों का आना-जाना होता है। घटना स्थल भी एक स्कूल के समीप बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नंदी की जगह कोई बच्चा या राहगीर करंट की चपेट में आ जाता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। लोगों के अनुसार एक बेजुबान नंदी की जान चली गई, लेकिन उसने अनजाने में एक बड़ी मानवीय त्रासदी टाल दी बेजुबान नंदी की मौत ने विद्युत विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नागरिकों ने पूछा है कि यदि किसी व्यक्ति की जान चली जाती, तो उसका जवाबदेह कौन होता? लोगों ने दोषियों पर कार्रवाई और क्षेत्र के सभी विद्युत पोलों की तत्काल जांच की मांग की है।

आशियाना खान का वायु सेना में चयन

कसरावद , निप्र । ग्राम टिगरियाव की बेटी आशियाना खान ने भारतीय वायु सेना के अग्निवीर वायु में चयनित होकर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे खरगोन जिले का नाम रोशन किया है। साधारण परिवार से आने वाली आशियाना ने कठिन परिश्रम, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

आशियाना खान के चयन की खबर मिलते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। समाजजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने उनका स्वागत कर शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उपस्थित लोगों ने कहा कि आशियाना की सफलता क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है और यह साबित करती है कि मेहनत एवं आत्मविश्वास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर शहर सदर शेर खान अंसारी, हाजी आदिल मुल्तानी, अबरार पठान, अकील खान, हिदायत खान, अजीज सूफी, जाहिद अजमेरी, डॉ. मुजफ्फर पठान, डॉ. सोहेल खान, डॉक्टर इमरान पठान, उमर खान, सोबी खान, मोइन खान, शाहरुख अजमेरी, बाबा पंजाबी, रिहान खान, शाहिद पठान मंडलेश्वर सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने आशियाना पिता यूनुस खान को बधाई देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि पूरे निमाड़ अंचल के लिए गर्व का विषय है। भारतीय वायु सेना में उनका चयन युवा पीढ़ी, विशेषकर बेटियों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा देगा।

एक नजर में

सनावद बैडमिंटन में रचा इतिहास! 50 वर्षीय संजय पाटीदार ने लगातार पांचवीं बार जीता खिताब

सनावद, निप्र । बैडमिंटन क्लब के 50 वर्षीय खिलाड़ी संजय कुमार पाटीदार ने बैडमिंटन जगत में एक नया इतिहास रच दिया है। 21 जून को महाराष्ट्र के धुले में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो अलग-अलग आयु वर्गों में पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में संजय कुमार पाटीदार ने आयु वर्ग 35 में विजेता का खिताब और आयु वर्ग 45 में उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने इस वर्ष 2026 में अब तक लगातार पांचवीं बार खिताब जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। इस उपलब्धि पर सनावद बैडमिंटन क्लब के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया। आशीष मित्तल, राम गोविन्द बेन,पत्रकार समूह के अध्यक्ष विनोद गौड़ अर्जुन डावर, गणेश पटेल, डॉ. राहुल गुप्ता, कर्तव्य मौर्य, श्री एस.सी. चौहान, नवनीत जैन, पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रिंसिपल श्री चन्द्रगुप्त प्रकोल्य, डॉ. सुभाष मोरी, मुस्तन अली बोहरा, देवेंद्र पटेल सहित संजय कुमार पाटीदार के पिता श्री दुर्गाशंकर पाटीदार ने खिलाड़ी को बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। सभी ने संजय पाटीदार के लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि उनका यह जज्बा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है। संजय कुमार पाटीदार सनावद बैडमिंटन क्लब के सक्रिय सदस्य हैं और पिछले कई वर्षों से क्षेत्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।

मंगलवार की दोपहर को हुई जोरदार बारिश

महेश्वर। मंगलवार की दोपहर को महेश्वर तथा आसपास के क्षेत्र में जोरदार बारिश हुई इस बारिश ने किसानों के चेहरों पर रौनक ला दी वहीं अधमरी हुई खेती किसानी की फसलों को भी नया जीवनदान दे दिया। मंगलवार दोपहर लगभग 3 :30 बजे 30 मिनट से भी अधिक देर तक जोरदार बारिश हुई बारिश इतनी तेज थी की गलियों और सड़कों से पानी बहने लगा था । ज्ञात हो की क्षेत्र के किसानों को अच्छी बारिश की बहुत ही आवश्यकता थी क्योंकि किसानों ने नहरो के भरोसे खेतों में फैसले बो दी थी लेकिन एक हफ्ता लेट बारिश आने के कारण किसानों फसलें सूखने की कगार पर थी लेकिन मंगलवार की जोरदार बारिश ने फसलों को जीवन दान दिया वहीं किसानों के चेहरों पर भी रौनक लौटा दी। 30 मिनट तक बारिश के बाद मौसम एकदम साफ हो गया।

डॉ .श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर माल्यार्पण किया

सनावद, निप्र । भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ .श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण पटेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष मानसिंह राठौर, अनिल अजमेरा, संजय राठौर, प्रभात पंडित, मोहित यादव, मनोज जैन, श्याम ठाकुर, सरोज इंगला,अमरदीप खनूजा, शशिकांत मुछाला, अजय राठौर, सुरेश सोलंकी और अन्ना निगम उपस्थित थे।

बोहरा समाज में मनाया जा रहा मोहर्रम का पर्व

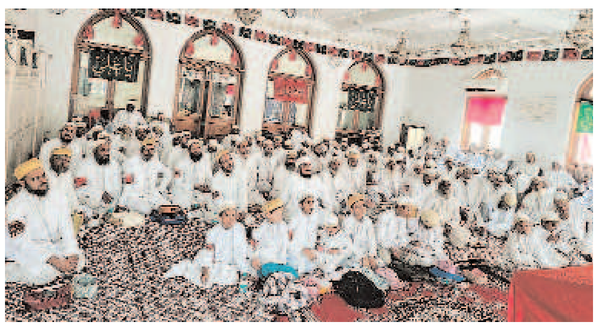

महेश्वर, निप्र । हजरत इमाम हुसैन(स. अ.) एवम उनके अहले बेत 72 साथियो द्वारा अध्यात्म और मानवता के लिए कर्बला में दी गई शहादत की याद मे मोहर्र्म का पर्व पूरी दुनिया मे गमो हुजूम के साथ मनाया जा रहा है इस दौरान वाअज(कथा) एवम मजलिस(सभा) का आयोजन कर तमाम शोहदाए कर्बला को खिराजे अकीदत पेश की जाती है।

आमिल साहब शब्बीर भाईसाब वजीरी की सदारत में महेश्वर के बोहरा समाज जनो द्वारा भी वाअज,मजलिस और सामूहिक भोज के आयोजन के साथ मोहर्रम का पर्व पूरे जोर शोर से मनाया जा रहा है। इस दौरान दोनों समय के सामूहिक भोज का आयोजन नजफ़ बोहरा द्वारा किया जा रहा है इन दोनों शख्सों का सम्मान महेश्वर जमात की तरफ से शाल एवम मानपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। गौरतलब है की सैय्यदना साहब लन्दन शहर में वाअज(कथा) फर्मा रहे हैं।

स्वास्थ्य केंद्र पर पंचायत स्तरीय मलेरिया कार्यशाला

गोगावां, निप्र । ब्लाक मेडिकल ऑफिसर डॉ एहमद रजा खान के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में ब्लाक मलेरिया निरीक्षक अशोक कुशवाह ने बताया कि मलेरिया एक जानलेवा रोग है ,ये मादा एनोफिलीज नामक संक्रमित मच्छर के काटने से होता हैं।

ये मच्छर पानी की टंकियों में, बेकार टायर व कबाड़ में, हैडपम्प नाली के आसपास, खाली पेड गमले व फूलदान में पनपते है अत: सप्ताह में एक बार टायरों, कूलरों, टंकी, बाल्टी, डिब्बा आदि कंटेनरों को खाली कर सुखाकर ही भरे, जिससे कि मच्छर लार्वा अवस्था मे ही नष्ट हो जाये कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर श्रद्धा कोचले ने बताया कि कोई सा भी बुखार मलेरिया हो सकता हैं अत: ग्राम में स्वास्थ्य केंद्र या आशा कार्यकर्ता के पास अपने खून की जांच अवश्य कराएं । ए एन एम ममता यादव ने उपस्थित ग्रामवासियों को ग्राम से मलेरिया मुक्त की शपथ दिलाई कार्यशाला में चन्द्रकला यादव , प्रमिला राठौड़ (आशा कार्यकर्ता) कला नागराज ,गायत्री यादव , मंजुला यादव (आंगनवाड़ी कार्यकर्ता) व महिला मंडल अध्यक्ष सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति बैठक से पूर्व सीएमएचओ की सख्त समीक्षा

खरगोन, निप्र । जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दौलतसिंह चौहान की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों, पोर्टल आधारित कार्यों तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीबी और मलेरिया नियंत्रण से संबंधित बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान मेडलेपर पोर्टल पर भीकनगांव, बरुड़, करही एवं जिला चिकित्सालय खरगोन के लंबित एम.एल.सी. प्रकरणों पर नाराज़गी व्यक्त करते हुए संबंधित संस्था प्रभारियों को आगामी 15 दिवस में शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिले में नवनियुक्त चिकित्साधिकारियों की मेडलेपर आईडी शीघ्र बनाने एवं आवश्यक प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सिकल सेल पीड़ित 44 गर्भवती महिलाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। जिनका आगामी माह में प्रसव संभावित है, उन्हें 15 दिवस पूर्व कॉल कर संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करने तथा प्रसव से 07 दिवस पूर्व बर्थ वेटिंग रूम में भर्ती कराने के निर्देश दिए गए, ताकि सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त जिले के समस्त प्रसव केंद्रों पर क्षेत्रवार गर्भवती महिलाओं की सूची मोबाइल नंबर सहित चस्पा करने के निर्देश दिए गए। क्षय नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिले में अब तक 21,249 मरीजों की स्क्रीनिंग होने की जानकारी दी गई। विकासखंड गोगावां, झिरन्या एवं कसरावद में स्क्रीनिंग कम पाए जाने पर शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। वहीं पीएम प्रगति शिविरों के माध्यम से सिकल सेल स्क्रीनिंग, आयुष्मान कार्ड निर्माण, टीबी जांच, एक्स-रे, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी, शत-प्रतिशत एएनसी जांच एवं संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। अनमोल पोर्टल पर गर्भवती महिलाओं के पंजीयन में 2025 की तुलना में 2026 में कमी पाए जाने पर विकासखंड भीकनगांव, गोगावां, खरगोन एवं कसरावद को 07 दिवस में पंजीयन पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान प्रथम ट्राइमेस्टर से ही कर उनके सुरक्षित प्रसव के लिए समय पर प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत वर्षा ऋतु को देखते हुए सभी बीएमओ को उप स्वास्थ्य केंद्रों तक मलेरिया टेस्टिंग किट उपलब्ध कराने, प्रत्येक विकासखंड में कॉम्बेट टीम गठित करने तथा किसी भी संभावित आउटब्रेक की स्थिति में त्वरित उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई, अधिकारियों ने सुनी 98 आवेदकों की समस्याएं

खरगोन, निप्र। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 23 जून को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया।

इसमें अपर कलेक्टर रेखा राठौर, जिला पंचायत सीईओ मिलिंद कुमार नागदेवे, संयुक्त कलेक्टर आकांक्षा अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर प्रताप कुमार अगास्त्या ने अन्य अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 98 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर आए थे। इस दौरान अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

20 वर्षों से निवासरत बस्ती में न बिजली न ही नल-जल योजना का पहुंचा पानी

महेश्वर, निप्र । ग्राम ठनगांव पंचायत के ही बाण बेड़ी बस्ती में निवास करने वाले लोगों का जीना दूभर बना हुआ है। वहीं के निवासी लवकेश खाण्डेकर ने बताया कि हम बाण बेड़ी बस्ती वाले पिछले 20 से अधिक वर्षो से यहां निवास कर रहे, लेकिन न ही हमें अभी तक बिजली मिली है न ही प्रधानमंत्री नल जल योजना का कोई लाभ मिला। पंचायत के ही उच्च वर्ग के लोगों के मवेशियों के बाडों में भी कनेक्शन दें दिए गए हैं। रात्रि में सांप, बिच्छू व जंगली जानवरो का खतरा बना रहता है। छोटे छोटे बच्चों को अंधेरे में चिमनी के उजाले में पढ़ाई करनी पडती है। पीने के पानी के लिए हमें पथरीले रास्तों से होते हुए कच्चे कुएं से पानी लेकर आना पड़ता है। हम पिछले दस वर्षो से आवेदन निवेदन करते आ रहे है लेकिन आज तक भी हमारी समस्या का समाधान नही हुवा है! हमनें जन सुनवाई महेश्वर एवं खरगोन में भी कहीं बार हमारी समस्या आवेदन के रूप में बताई है किन्तु निराशा ही हाथ लगी है। बस्ती वालों ने आगामी समय में चुनाव का बहिष्कार करने की बात भी कही है।

28 जून को जिलेभर में पल्स पोलियो अभियान

खरगोन, निप्र । राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत जिले में 28 जून 2026 (रविवार) से 30 जून 2026 तक पोलियो रोधी दवा पिलाने का विशेष अभियान आयोजित किया जा रहा है।

प्रभारी जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. धीरेन्द्र पंवार ने बताया कि अभियान के प्रथम दिवस 28 जून को जिलेभर में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को पोलियो से बचाव के लिए दो बूंद दवा पिलाई जाएगी। इसके पश्चात 29 एवं 30 जून को छूटे हुए बच्चों को घर-घर जाकर दवा पिलाई जाएगी, ताकि कोई भी पात्र बच्चा वंचित न रहे। अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में कुल 2040 पोलियो बूथ चिन्हित किए गए हैं। इन बूथों पर 4190 कर्मियों की तैनाती की गई है। अभियान के दौरान जिले में 0 से 5 वर्ष तक के कुल 2,55,093 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दौलतसिंह चौहान ने जिले के अधीन समस्त विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अभियान से संबंधित सभी पूर्व निर्धारित गतिविधियां समय-सीमा में पूर्ण की जाएं। साथ ही, अभियान की सफलता के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

एक नजर में

अधिग्रहण के तहत प्रभावित किसानों को अवार्ड पारित कर मुआवजा राशि का वितरण किया

बायपास निर्माण में हो रही अनियमितताओं को लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

कसरावद, निप्र । राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 347-सी कसरावद - सेलानी बायपास से प्रभावित किसानों ने मंगलवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर बायपास निर्माण में हो रही अनियमितताओं एवं विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम के नाम ज्ञापन तहसीलदार नरेंद्र मुवेल को सौंपा। किसानों ने अधिग्रहित भूमि का चार गुना मुआवजा देने सहित बायपास निर्माण में आ रही समस्याओं के निराकरण की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा कसरावद बुजुर्ग, रशीदपुरा, भीलगांव एवं सैलानी क्षेत्र के किसानों की कृषि भूमि का अधिग्रहण कर बायपास निर्माण कार्य कराया जा रहा है। अधिग्रहण के तहत प्रभावित किसानों को अवार्ड पारित कर मुआवजा राशि का वितरण किया गया है, लेकिन किसानों का आरोप है कि उन्हें शासन की नीति अनुसार दो गुना मुआवजा दिया गया, जो क्षेत्र की उपजाऊ एवं सिंचित कृषि भूमि के वर्तमान बाजार मूल्य की तुलना में काफी कम है। किसानों का कहना है कि उन्होंने समय-समय पर शासन एवं निर्माण एजेंसियों के समक्ष उचित मुआवजे की मांग रखी, लेकिन आज तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। किसानों ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा हाल ही में कैबिनेट में सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि का चार गुना मुआवजा देने का प्रस्ताव पारित किया गया है। महेश्वर-बड़वाह मार्ग तथा उज्जैन क्षेत्र में अधिग्रहित भूमि के लिए चार गुना मुआवजा दिए जाने का निर्णय लिया गया है। ऐसे में कसरावद क्षेत्र के किसानों ने भी समान नीति के तहत चार गुना मुआवजा दिए जाने की मांग की है। प्रभावित किसान व एडवोकेट बृजेश कुमार व्यास ने बताया कि बायपास निर्माण कंपनी मनमाने तरीके से कार्य कर रही है। कई स्थानों पर सड़क 8 से 12 फीट तक ऊंची बना दी गई है, जिससे किसानों के खेतों तक पहुंचने का रास्ता बाधित हो गया है। किसानों द्वारा बार-बार मांग करने के बावजूद खेतों तक पहुंच मार्ग बनाने की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने बताया कि बड़गांव ओटा मार्ग के समीप बनाए जा रहे चौराहों पर सड़क की ऊंचाई अधिक होने के कारण ट्रैक्टर, बैलगाड़ी और कृषि उपज से भरे वाहन आसानी से नहीं चढ़ पा रहे हैं। साथ ही चौराहों का निर्माण भी तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने किया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

खरगोन, निप्र । एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) ने हाल ही में यूनिवर्सल बैंक में ट्रांजिशन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से इन-प्रिंसिपल अप्रूवल प्राप्त किया है और एक दशक में यह अप्रूवल पाने वाला वह भारत का सबसे बड़ा स्मॉल फाइनेंस बैंक है।

जन सामुदायिक सेवा की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक — एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने खरगोन जिले के अंतर्गत पीपरखेड़ा गांव में नि:शुल्क स्वास्थ्य चेकअप कैंप का आयोजन किया गया । जिसमें ग्रामीणों की एनीमिया, ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल सहित अन्य बीमारियों की जांच, उसका निदान और आवश्यक दवाइयाँ प्रदान की गई थीं। इस कैंप का आयोजन करने का प्राथमिक उद्देश्य एनीमिया के प्रसार को कम करना और भारत के ग्रामीण क्षेत्र में बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों को मूलभूत स्वास्थ्य चेकअप और निदान की सेवा प्रदान की जा सके। साथ ही कैंप में एनीमिया के मरीजों को 30 दिन की नि:शुल्क दवा भी प्रदान की जाती है. इस अवसर समूह की महिलाएं और ग्रामीण मौजूद रहे।